



Literacy for a Billion

Movie: Aa Ab Laut Chalen

Year: 1999

दुल्हन सी सजी धरती  
खुला वो आसमाँ  
हो ...

दुल्हन सी सजी धरती  
खुला वो आसमाँ

बुलाता है हमें फिर वो  
चाहत का जहाँ  
आ अब लौट चलें  
हो ...

आ अब लौट चलें  
आ अब लौट चलें  
हो ...

आ अब लौट चलें

अनजान था मैं  
नादान था मैं  
तेरे प्यार को  
जो न समझ पाया

तूने इतना बेचैन किया  
मैं तेरे पास चला आया  
तेरी साँसें मेरा जीवन  
मेरे दिल में तेरा घर है

ज़रा देखे कोई इसको  
ये जन्नत से भी सुन्दर है  
बिना तेरे नहीं चैना  
नहीं चैना यहाँ

Song: Aa Ab Laut Chalen

Lyricist: Sameer

आ अब लौट चलें  
हो ...

आ अब लौट चलें

आ अब लौट चलें  
हाँ ...

आ अब लौट चलें

इक पल के लिए  
इक दिन के लिए  
ना दूर मैं तुझसे जाऊँगी  
तेरी पलकों की  
इन गलियों में  
सपनों की सेज सजाऊँगी

तुझे देखूँ तुझे चाहूँ  
तेरी खुशबू में खो जाऊँ  
यही मेरी तमन्ना है  
तेरी बाँहों में सो जाऊँ

दर्दे दिल नहीं सहना  
नहीं सहना यहाँ

आ अब लौट चलें  
हो ...

आ अब लौट चलें

आ अब लौट चलें  
आ अब लौट चलें



Literacy for a Billion

दुल्हन सी सजी धरती  
खुला वो आसमाँ  
बुलाता है हमें फिर वो  
चाहत का जहाँ

आ अब लौट चलें

हो ...  
आ अब लौट चलें

आ अब लौट चलें  
हो ...

आ अब लौट चलें

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*